भजन

तर्ज –मेरे प्यार की उमर हो इतनी सनम

मेरे श्याम श्यामा प्रीतम प्यारे हो तुम
तुम ही आशिक हो और माशूक तुम
तेरी रूहें तेरे तन है प्राण रूहों के तुम
तुम ही आशिक हो और माशूक तुम

1–खोल नैना देखें खिलवत में,हम बैठे तले कदम
श्री युगल सरूप तो कहें,माशूक आशिक अंग
हक हममे हैं और हक मे है हम,फिर क्या है गम

2–पशु पक्षी रुहें इश्क के पालेल है वहां
दुनिया के मोह सागर में,हम खो गई कहाँ
बन के आशिक पिया पूछे,कहाँ इश्क है गुम

3–माशूक हमारे देते,जामे इश्क हमको वहां
कुर्बान हो गये हमपे,खातिर इश्क की आके यहाँ
हाजिर कर दी है जान भी ,वास्ते रूहन